



झारखण्ड गजट

साधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या - 12 राँची, बुधवार 6 वैशाख, 1937 (श०)
26 अप्रैल, 2017 (ई०)

विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग 1—नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य वैयक्तिक सूचनाएँ।

भाग 1—क—स्वयंसेवक गुरुओं के समादेष्टाओं के आदेश ।

भाग 1—ख—मैट्रिकुलेसन, आई.ए., आई.एस.सी., बी.ए., बी.एस.सी., एम.ए., एम.ए.सी., लॉ भाग 1 और 2, एम.बी.बी.एस., बी.सी.ई., डिप०-इन-एड., मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षाफल, कार्यक्रम छात्रवृत्ति प्रदान आदि।

भाग 1—ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएँ, परीक्षाफल आदि।

भाग-2—झारखण्ड राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा

भाग-2—झारखण्ड राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएँ एवं नियम आदि ।

भाग 3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम 'भारत गजट' और राज्य गजटों से उद्धरण।

313-322 **भाग-4**—झारखण्ड अधिनियम

भाग-5—झारखण्ड विधान-सभा में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान-मंडल में उप-स्थापित या उपस्थापित किए जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान-मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक ।

भाग-7—संसद के अधिनियम जिन पर राष्ट्रपति एम.एस.और की अनुमति मिल चुकी है ।

भाग-8— भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।

भाग-9— विज्ञापन

भाग-9—क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं

भाग-9—ख—निविदा सूचनाएँ, परिवहन सूचनाएँ, न्यायालय सूचनाएँ और सर्वसाधारण सूचनाएँ इत्यादि।

पूरक-- ...

पूरक "अ" ...

भाग 1**नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य वैयक्तिक सूचनाएँ**

राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग

अधिसूचना**12 अप्रैल, 2017**

संख्या-2 /राज. स्था. शक्ति प्रदत्त-03/2017-1854/रा-- श्री जय प्रकाश झा, अनुमण्डल पदाधिकारी, दुमका को उनके कार्यों के अतिरिक्त जिला-भू-अर्जन पदाधिकारी, दुमका के रूप में कार्य करने हेतु भू-अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 ("The Right to Fair Compensation and Transparency in land Acquisition Rehabilitaion and Resettlement Act-2013") की धारा 3(g) के तहत समाहर्ता की शक्तियाँ प्रदत्त की जाती हैं ।

शक्ति प्रदत्त पदाधिकारी जिला के समाहर्ता तथा राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के निदेशों के आलोक में अपने कर्तव्य का निर्वहन करेंगे ।

उनके वर्तमान पदस्थापन अवधि तक के लिए शक्ति प्रदत्त करते हैं ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

राम कुमार सिन्हा,
सरकार के संयुक्त सचिव ।

राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग

अधिसूचना

12 अप्रैल, 2017

संख्या-2/रा०,स्था०-40/09-1855/रा-- श्रीमती सरोज तिकी, अनुमंडल पदाधिकारी, बुण्डू को अपने कार्यों के अतिरिक्त बिहार टेनेन्ट्स होल्डिंग्स (मेनटेनेन्स ऑफ रेकार्ड्स) एक्ट 1973 की धारा-15 के अन्तर्गत दाखिल-खारिज अपीलवादों के निष्पादन हेतु भूमि सुधार उप समाहर्ता, बुण्डू, राँची की शक्ति प्रदत्त की जाती है ।

शक्ति प्रदत्त पदाधिकारी जिला के समाहर्ता तथा राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के निदेशों के आलोक में अपने कर्तव्य का निर्वहन करेंगे ।

उनके वर्तमान पदस्थापन अवधि तक के लिए अथवा नियमित पदाधिकारी के पदस्थापन एवं प्रभार-ग्रहण तक (जो भी पहले हो) के लिए शक्ति प्रदत्त करते हैं ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

राम कुमार सिन्हा,
सरकार के संयुक्त सचिव ।

झारखण्ड विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

10 मार्च, 2016

विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग

पृष्ठभूमि

संख्या-01स्था०- 19/2016- 572 /वि०स० -- लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोक की आस्था बनाए रखने के लिए ऐसी संस्थाओं का मात्र सैद्धान्तिक स्तर पर ही लोक कल्याणकारी होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आवश्यक है कि व्यावहारिक स्तर पर भी आमजन के प्रति ऐसी संस्थाओं का सकारात्मक फलाफल हो। वैश्वीकरण और सामाजिक-आर्थिक उदारवाद के आज के दौर में लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जनभागीदारी सुनिश्चित करना एक चुनौती भरा कार्य है। संसदीय कार्य प्रणाली में गतिशीलता बनाये रखना आवश्यक है। जनप्रतिनिधियों को विधायी कार्य प्रणाली से अवगत होने और लोक सेवकों का विधायिका के प्रति दायित्वबोध होने के साथ-साथ समाज के प्रवृद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता, मिडिया के प्रतिनिधि, छात्र-छात्राओं को भी विधायिका के कार्य व्यवहार से जुड़ना आवश्यक है।

प्रत्येक विधान सभा के निर्वाचन के उपरान्त लगभग पच्चीस प्रतिशत सदस्य पहली बार विधान सभा में निर्वाचित होकर आते हैं। विधान सभा में लोकमहत्व के विषय को रखने के अवसर और प्रावधान से वे अनभिज्ञ रहते हैं। उन्हें विधायी कार्य प्रक्रिया से अवगत कराना आवश्यक होता है। साथ ही अन्य विधायकों के लिए भी आवश्यक होता है कि वे विधायी कार्य प्रक्रिया के नये आयामों से अवगत हों। राज्य के लोक सेवकों को भी विधान सभा के प्रति अपने दायित्व निर्वहन के लिए आवश्यक है कि वे न सिर्फ विधायी कार्य प्रक्रिया से अवगत हों, बल्कि उनके लिए यह भी आवश्यक है कि वे पूरी कार्यपालिका को विधायिका के प्रति उत्तरदायी बनाने में किस तरह सहायक सिद्ध हो। विशेषकर विधेयक का प्रारूप तैयार करने और सभा में उसपर चर्चा के लिए तथा सभा में उठाये जाने वाले सवालों का उत्तर देने हेतु मंत्री को आधार सामग्री तैयार करने में राज्य सरकार के लोक सेवकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इतना ही आवश्यक है विधान सभा में कर्मियों को प्रशिक्षित होना। प्रश्न आदि विभिन्न प्रकार के सवालों की ग्राह्यता, विधेयक के प्राप्ति के पश्चात उसके पारित किये जाने तक की प्रक्रिया को जानना और उसमें दक्षता हासिल करना आवश्यक है।

1. परामर्शदात्री समिति

1.1 विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग के निर्धारित कार्य निरूपण हेतु एक परामर्शदात्री समिति होगी जिसमें अध्यक्ष सहित निम्न सदस्य होंगे:-

1. अध्यक्ष, झारखण्ड विधान सभा - अध्यक्ष
2. मुख्यमंत्री या मुख्यमंत्री द्वारा नामित मंत्रिपरिषद का कोई एक सदस्य - सदस्य
3. संसदीय कार्य मंत्री, झारखण्ड सरकार - सदस्य
4. नेता प्रतिपक्ष, झारखण्ड विधान सभा - सदस्य
5. अध्यक्ष, झारखण्ड विधान सभा द्वारा नामित झारखण्ड विधान सभा के एक पूर्व अध्यक्ष - सदस्य
6. सचेतक, सत्तारूढ़ दल, झारखण्ड विधान सभा - सदस्य
7. अध्यक्ष, झारखण्ड विधान सभा द्वारा नामित झारखण्ड विधान सभा के दो वर्तमान सदस्य - सदस्य
8. अध्यक्ष, झारखण्ड विधान सभा द्वारा नामित झारखण्ड विधान सभा के एक उत्कृष्ट विधायक - सदस्य
9. अध्यक्ष, झारखण्ड विधान सभा द्वारा नामित झारखण्ड विधान सभा के संयुक्त सचिव से अन्यून दो पदाधिकारी - सदस्य

1.2 सचिव, झारखण्ड विधान सभा, परामर्शदात्री समिति के पदेन सदस्य सचिव होंगे ।

1.3 अध्यक्ष, झारखण्ड विधान सभा द्वारा परामर्शदात्री समिति में नामित सदस्यों की कार्यावधि दो वर्षों की होगी ।

2. विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग के कार्य

2.1 विधान मंडल के सदस्यों को प्रशिक्षण

झारखण्ड विधान सभा के सदस्यों को विधायी कार्यों से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों और विधायी कार्य संचालन के नियमों के सम्बन्ध में जानकारी दिया जाना | इस क्रम में सदस्यों को लोक महत्व के विषयों को सभा में उठाने के अवसर और प्रक्रिया से अवगत कराया जाना | बजट पारित किये जाने की प्रक्रिया और विधेयक के विधान बनाने की विधायी प्रक्रिया से अवगत कराया जाना | समिति की कार्य पद्धति एवं प्रतिवेदन तैयार करने के सम्बन्ध में तथ्यगत जानकारी देना | सदस्यों को उनके विशेषाधिकार और सदाचार के सम्बन्ध में अवगत कराना |

2.2 राज्य सरकार के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण

सदस्यों द्वारा सभा में उठाये जाने वाले प्रश्नों का तथ्यपरक उत्तर तैयार करने, विभिन्न अवसरों पर सभा में चर्चा के दौरान पदाधिकारी दीर्घा में उपस्थिति और दायित्व, सभा के वित्तीय कार्य और विधेयक उपस्थापन, प्रत्यायुक्त विधान, प्रवर समिति आदि के सम्बन्ध में प्रशिक्षण देना |

2.3 विधान मंडल सदस्यों के निजी कर्मियों को प्रशिक्षण

सदस्यों के विधायी कार्य निष्पादन में उनके निजी कर्मियों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है | प्रश्न, ध्यानाकर्षण, शून्यकाल, गैरसरकारी संकल्प, विधेयक, कटौती प्रस्ताव आदि विषयों के सम्बन्ध में नियम और व्यवहारिक कार्य प्राणाली के साथ-साथ यात्रा भत्ता और सदस्यों को देय सुविधा से अवगत कराना |

2.4 विधान सभा सचिवालय के कर्मियों को प्रशिक्षण

सभा के कार्य निष्पादन में विधान सभा सचिवालय के कर्मियों का अहम दायित्व होता है | संवैधानिक प्रावधान और विधायी प्रक्रिया के साथ ही कम्प्यूटर संचालन का ज्ञान उनके लिए अत्यंत ही आवश्यक है | सदस्यों द्वारा दी गयी सूचनाओं की ग्राह्यता की जांच में विधान सभा के कर्मियों का दक्ष होना अनिवार्य है | कार्यवाही का बुलेटिन तैयार करना और सभा का कार्य विन्यास पूर्णतः तकनीकी कार्य है | इसके अतिरिक्त सदस्यों से सम्मानपूर्वक संवाद स्थापित करने हेतु भी प्रशिक्षण आवश्यक है |

2.5 मिडिया कर्मियों को प्रशिक्षण

मिडिया सदैव की तरह लोकहित के विषयों को सरकार और समाज के मध्य रखता आया है | साथ ही सदन की कार्यवाही से जनता को अवगत कराने का कार्य भी मिडिया सशक्त तरीके से करती है | यह कार्य ज़्यादा दक्षतापूर्वक करने के लिए पत्रकारों को विधायी कार्य प्रणाली से अवगत

होना आवश्यक है | विशेषकर वित्तीय कार्य और विधेयक के सभा में निष्पादन से संबंधित प्रक्रिया के सम्बन्ध में मिडिया कर्मियों को प्रशिक्षित होना आवश्यक है |

2.6 सेमिनार एवं प्रबोधन कार्यक्रम

समय-समय पर देश के ज्वलंत संसदीय विषयों पर सेमिनार का आयोजन किया जायेगा | साथ ही संसदीय कार्य प्राणाली को आमजन हेतु और ज्यादा प्रभावकारी बनाने हेतु प्रबोधन कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे |

2.7 कार्यशाला

विधान सभा के कार्यों के प्रति व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा | विशेषकर प्रश्न, ध्यानाकर्षण, गैर सरकारी संकल्प एवं विधेयक, राजकीय संकल्प, कटौती का प्रस्ताव, राज्य सभा का निर्वाचन एवं मतगणना आदि विषयों पर कार्यशाला का आयोजन कर प्रशिक्षुओं को विधान सभा की कार्य प्रणाली का व्यवहारिक रूप से जानकारी दी जायेगी |

2.8 महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को शोध हेतु संदर्भ सहायता उपलब्ध कराना

युवा पीढ़ी में विधायी कार्य प्राणाली के प्रति जागरूक बनाने हेतु महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को आवश्यकतानुसार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कृत कार्यवाही से संबंधित सामग्री शोध एवं ज्ञान हेतु उपलब्ध कराये जा सकेंगे या उनके सम्बन्ध में जानकारी दी जा सकेगी |

2.9 विधायकों को सभा में चर्चा हेतु अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना

विधायकों को उनके विधायी कार्य निष्पादन में सहयोग करने के लिए उन्हें आवश्यकतानुसार विभिन्न विषयों से सम्बंधित अध्ययन सामग्री एवं तथ्य समय-समय पर उपलब्ध कराए जायेंगे |

2.10 विधायकों के लिए कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम

आज के तकनीकी युग में कम्प्यूटर संचालन का ज्ञान अनिवार्य हो गया है | विधान सभा में पेपरलेस कार्य संस्कृति के लिए विधायकों और विधान सभा सचिवालय के कर्मियों को कम्प्यूटर में साक्षर एवं दक्ष बनाने हेतु कम्प्यूटर संचालन में प्रशिक्षित किया जाएगा |

2.11 अन्य कार्य जो परामर्शदात्री समिति की निर्णय के उपरान्त सौंपे जायें यथावर्णित कार्यों के अतिरिक्त कोषांग उन कार्यों को भी निष्पादित करेगी जो परामर्शदात्री समिति के निर्णय के उपरान्त उसे सौंपे जायेंगे |

2.12 जरनल प्रकाशित करना

यह कोषांग अपने कार्यों एवं संसदीय विषयों से सम्बंधित एक अर्द्ध वार्षिक जरनल अध्यक्ष, झारखण्ड विधान सभा के परामर्श एवं मार्गदर्शन में प्रकाशित करेगी।

3. विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग की कार्य विधि

3.1 कोषांग के कार्य सचिव, झारखण्ड विधान सभा या उनके द्वारा अधिकृत झारखण्ड विधान सभा के संयुक्त सचिव से अन्योन्य स्तर के पदाधिकारी के निर्देश एवं नियंत्रण में निष्पादित किये जायेंगे।

3.2 प्रशिक्षण हेतु पाठ्यक्रम का निर्धारण, निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण हेतु तिथि एवं कार्यक्रम तय करना, प्रशिक्षणदाता को आमंत्रित करना, मानदेय के सम्बन्ध में कार्यवाई करना, वाह्य अतिथियों के लिए राज्य सरकार से संपर्क स्थापित करना आदि कार्य जो प्रशिक्षु, प्रशिक्षक के लिए और कोषांग के कार्य निष्पादन हेतु आवश्यक हो तथा परामर्शदात्री समिति द्वारा निर्णय के आलोक में सचिव को निदेशित किये जायेंगे, का निष्पादन कोषांग में प्रतिनियुक्ति एवं कार्यरत पदाधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा किये जायेंगे।

4. विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षक एवं साधनसेवी (Resource Person)

4.1 विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षक एवं साधनसेवी (Resource Person) निम्न प्रकार होंगे :-

1. झारखण्ड के सांसद एवं पूर्व सांसद,
2. झारखण्ड विधान सभा के विधायक, एवं पूर्व विधायक,
3. प्रधान सचिव, वित्त विभाग, झारखण्ड सरकार
4. प्रधान सचिव/सचिव, विधि विभाग, झारखण्ड सरकार
5. विधायी शाखा, झारखण्ड विधान सभा के संयुक्त सचिव से अन्योन्य पदाधिकारी,
6. कार्मिक शाखा, झारखण्ड विधान सभा के संयुक्त सचिव से अन्योन्य पदाधिकारी,
7. बजट शाखा, झारखण्ड विधान सभा के संयुक्त सचिव से अन्योन्य पदाधिकारी,
8. प्रश्न शाखा, झारखण्ड विधान सभा के संयुक्त सचिव से अन्योन्य पदाधिकारी,
9. कार्यवाही शाखा, झारखण्ड विधान सभा के संयुक्त सचिव से अन्योन्य पदाधिकारी,

10.इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मिडिया के सम्पादक एवं वरीय पत्रकार

11.परामर्शदात्री समिति द्वारा यथा निर्णित राज्य और राज्य से बाहर के विद्वान

5.विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग हेतु बजटीय उपबंध

विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग हेतु सचिवालय सहयोग, बजटीय उपबंध विधान मंडल शीर्ष के अधीन होंगे तथा इसकी निकासी एवं व्ययन झारखण्ड विधान सभा सचिवालय के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी द्वारा किया जाएगा ।

6.विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग हेतु सचिवालयीय सहयोग

विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग हेतु सचिवालयीय सहयोग यथा-कार्यालय एवं कर्मी झारखण्ड विधान सभा सचिवालय द्वारा उपलब्ध कराये जायेंगे ।

7. विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण

विधायी शोध-संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग अध्यक्ष, झारखण्ड विधान सभा के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण में कार्य करेगा । इसके स्वरूप एवं कार्य विधि में किसी भी प्रकार का परिवर्तन अध्यक्ष, झारखण्ड विधान सभा के आदेश से किया जाएगा ।

मा० अध्यक्ष, झारखण्ड विधान सभा के आदेश से,

बिनय कुमार सिंह,

प्रभारी सचिव, झारखण्ड विधान सभा, राँची ।

प्रकाशनार्थ सूचनाशुद्धि पत्र

मैं SONI KUMARI पत्नी DR. K. SAMARANDRA शपथ पत्र सं० 600 दिनांक 14 दिसम्बर, 2012 के अनुसार SONI SINGH के नाम से जानी जाऊँगी ।

SONI SINGH एवं SONI KUMARI दोनों एक ही महिला का नाम है ।

पूर्व में प्रकाशित गजट संख्या-5, दिनांक 22-02-2017 को इस हद तक संशोधित समझा जाए ।

PERMANENT RESIDENT--

SECTOR-4/C,QR. NO.-1073, B.S. CITY,
DIST— BOKARO,
STATE—JHARKHAND
